कक्षा - आठवीं पाठ - 16
विषय - हिन्दी पानी की कहानी
रामचन्द्र तिवारी

शब्दार्थ

साँसत - कठिनाई में पड़ना, बहुत बड़ा कष्ट
वर्णनातीत - जिसका वर्णन न किया जा सके
प्रचंड - तेज
सरककर - फिसलकर
ठिंगने - छोटे कद के
बहुतायत - बहुत अधिक मात्रा में
शिखर - चोटी
प्रहार - आघात
समतल - मैदानी
सरिता - नदी
दिवस - दिन
सम्मति - इच्छा
निरा - सिर्फ

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न - अभ्यास

पाठ से

1. लेखक को ओस की बूँद कहाँ मिली?
उत्तर :- लेखक को ओस की बूँद बेर की झाड़ी के पास मिली। जो अचानक ही उसके हथेली पर गिरी। यह बूँद मोती के समान चमक रही थी। बूँद को देखकर लेखक के आश्चर्य का ठिकाना न रहा।

2. ओस की बूँद क्रोध और घृणा से क्यों काँप उठी?
उत्तर :- ओस की बूँद क्रोध और घृणा से इसलिए काँप उठी, क्योंकि पेड़ की जड़ें तथा जड़ों पर उगने वाले रोएँ बड़े ही निर्दयी होते हैं। ये असंख्य बूँदों एवं जल-कणों को बलपूर्वक पृथ्वी से खींच लेते हैं। कुछ जल-कणों एवं बूँदों को तो ये एकदम से नष्ट कर देते हैं और अधिकांश का सबकुछ छीनकर उन्हें बाहर निकाल देते हैं।

3. हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को पानी ने अपना पूर्वज / पुरखा क्यों कहा?
उत्तर :- अरबों वर्ष पहले हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक क्रिया के फलस्वरूप पानी का जन्म हुआ था। इसलिए हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को पानी ने अपना पूर्वज / पुरखा कहा है।

* * * * * * *

Scanned with CamScanner

4. "पानी की कहानी" के आधार पर पानी के जन्म और जीवन-यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर :- 'पानी की कहानी' पाठ में बताया गया है कि पानी का जन्म हइड्रजन (हाइड्रोजन) और औषजन (ऑक्सीजन) से होता है। पहले पानी की बूँदें सूर्य के धरातल पर ही थीं। एक बार प्रचंड प्रकाश पिंड जो सूर्य से लाखों गुणा बड़ा था सूर्य के समक्ष आ गया। उसकी आकर्षण शक्ति के कारण सूर्य का एक बड़ा भाग टूटकर कई टुकड़ों में विभाजित हो गया। इन्हीं में से एक टुकड़ा हमारी पृथ्वी है। यह प्रारंभ में एक बड़ा आग का गोला थी। लेकिन धीरे-धीरे यह ठंडा हो गया और अरबों वर्ष पूर्व हइड्रजन और औषजन ने अपना प्रत्यक्ष अस्तित्व गँवाकर रासायनिक क्रिया द्वारा पानी को जन्म दिया।

अब ये पानी की बूँदें निरंतर सूर्य द्वारा भाप बनकर अपना अस्तित्व खो देती हैं और फिर वर्षा के रूप में बरस-कर पानी का रूप धारण करती हैं।

5. कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को स्वयं पढ़कर देखिए और बताइए कि ओस की बूँद लेखक को आपबीती सुनाते हुए किसकी प्रतीक्षा कर रही थी?

उत्तर :- कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को पढ़कर पता चलता है कि ओस की बूँद लेखक को आपबीती सुनाते हुए सूर्योदय की प्रतीक्षा कर रही थी। बूँद सूर्य का ताप पाते ही भाप बनकर उड़ना चाहती थी।

भाषा की बात

1. उत्तर :- मैं प्रति क्षण उसमें से निकल भागने की चेष्टा में लगी रहती थी।
2. हम बड़ी तेजी से बाहर फेंक दिए गए।
3. वह हाथों से शिकार को जकड़ लेती थी।